Prof. Khushbu kumari
Guest Teacher,
Dept. of Political Science
V.S.J. College, Rajnagar, Madhubani, Lnmu

Class - B.A - I (H)
Paper - II

Page No.
Date

Topic - गांधीजी का आदर्श राज्य

Lecture - 1.

गांधीजी राज्य की मान्य संकल्पना के विरुद्ध थे। उनकी दृष्टि में यह संस्था न तो स्वाभाविक है और न ही आवश्यक। परन्तु सिद्धान्त रूप में राज्य के अस्तित्व के विरुद्ध होने पर भी गांधीजी वर्तमान परिस्थितियों में राज्य को समाप्त करने के पक्ष में नहीं थे। उनके अनुसार राज्य की निम्नलिखित विशेषताएं होनी चाहिए -

(1) अहिंसात्मक समाज — गांधीजी अपने आदर्श राज्य को अहिंसात्मक समाज के नाम से भी पुकारते हैं। गांधीजी के इस आदर्श समाज में राज्य संस्था का अस्तित्व रहेगा और पुलिस, जेल, सेना तथा न्यायालय आदि शासन की बाध्यकारी सत्ताएं भी होंगी। फिर भी यह अहिंसक समाज इस दृष्टि से है कि इनमें इन सत्ताओं का प्रयोग जनता को आतंकित और उत्पीड़ित करने के लिए नहीं उनकी सेवा करने के लिए किया जायेगा।

(2) शासन का रूप लोकतान्त्रिक — गांधीजी के आदर्श समाज में शासन का रूप पूर्णतया लोकतांत्रिक होगा। जनता को न केवल मत देने का अधिकार प्राप्त होगा, वरन् जनता सक्रिय रूप से शासन व्यवस्था के संचालन में भाग भी लेगी।

(3) विकेन्द्रीकृत सत्ता — गांधीजी के आदर्श राज्य का एक प्रमुख लक्षण विकेन्द्रीकृत सत्ता है। गांधीजी सम्पूर्ण भारत में प्राचीन ढंग के स्वतंत्र और स्वावलम्बी गांव-समाज की स्थापना करना चाहते थे। जिसका आधार ग्राम पंचायत होगी। विकेन्द्रीकरण को अधिक सफल बनाने के लिए गांधीजी का सुझाव था कि ग्राम पंचायतों का निर्वाचन तो प्रत्यक्ष रूप से हो, लेकिन गांवों के ऊपर जो भी प्रशासनिक इकाइयां हों, जैसे - प्रादेशिक सरकार, राष्ट्रीय सरकार आदि के विधानमण्डलों का चुनाव अप्रत्यक्ष प्रणाली से हो, जिससे सत्ता का समस्त केन्द्र ग्राम पंचायतें ही बनी रहें।

(4) आर्थिक क्षेत्र में विकेन्द्रीकरण — गांधीजी के आदर्श राज्य में आर्थिक क्षेत्र के अन्तर्गत भी विकेन्द्रीकरण को अपनाने का सुझाव दिया गया है। विशाल तथा केन्द्रीकृत उद्योग लगभग समाप्त कर दिये जायेंगे और उनके स्थान पर कुटीर उद्योग धंधे चलाये जायेंगे। उन मशीनों का तो प्रयोग किया जा सकेगा जो मनुष्यों के लिए सुविधाजनक होती है, किन्तु मशीनों को मानवीय श्रम के शोषण का साधन नहीं बनाया जायेगा। हर गांव अपनी आवश्यकतानुसार वस्तुएं स्वयं उत्पन्न करेगा और प्रत्येक व्यक्ति अपने उत्पादन के साधनों का स्वयं स्वामी होगा।

Khushbu Kumari
7th Aug 2020

Scanned with CamScanner